Today's Poem – 26.06.2014

पहले पहले यह पक्का कराना हम हैं आत्मा

हमारा एक ही पिता परमात्मा

हमें बाबा को याद करना

याद से पाप कटवाना

भारत को पतित से पावन बनाना

यह सच्ची सेवा करना

चलते फिरते बाप को याद करना

बुद्धि और सब से हटाकर बाप में लगाना

बाप समान प्यार का सागर बनना

सब पर उपकार करना

माया को दूर से पहचान कर उसे भगाना

माया की खातिरी करने में टाइम वेस्ट नहीं करना

मेरा बाबा

ॐ शान्ति !!!